

स्वतंत्र प्रभात



स्वतंत्र प्रभात दैनिक अखबार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें..... 9511151254

@swatantraprabhatmedia @swatantramedia RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) @SwatantraPrabhatonline news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एवं अयोध्या, प्रयागराज, मिर्जापुर, गोरखपुर, बरेली, बुंदेलखंड, उत्तराखंड, देहरादून
पैतृक संपत्ति के बंटवारे को लेकर सगे भाइयों में खूनी संघर्ष...03
 सीतापुर, शनिवार, 09 मई 2026
 वर्ष 14, अंक 30, पृष्ठ 04, मूल्य: 01 रुपया
 गाजियाबाद, दिल्ली, हरियाणा, चंडीगढ़, झारखण्ड, बिहार, मध्य प्रदेश, असम, तेलंगाना आदि जनपदों में प्रसारित
बांग्लादेश के मदरसों में मासूमियत पर प्रहार.....04

अधिकारियों को MP-MLA का सम्मान करना होगा यूपी सरकार ने जारी किया आदेश

● उत्तर प्रदेश सरकार ने हुए-IPS अधिकारियों के लिए नया शासनादेश जारी किया है. इसके तहत, अधिकारियों को सांसदों और विधायकों का पूरा सम्मान करना, उनकी कॉल उठाना और जनहित के मुद्दों का समाधान करना अनिवार्य होगा. यह कदम जनप्रतिनिधियों द्वारा अधिकारियों की कार्यशैली पर सवाल उठाने के बाद उठाया गया है।



दृक् अधिकारियों को सांसदों और विधायकों को फुल रिस्पेक्ट देनी होगी। निर्देश में साफ लिखा है कि राज्य के सभी पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी जनप्रतिनिधियों का पूरा सम्मान करेंगे. अगर सांसद, विधायक जनहित से जुड़े कार्यों के सिलसिले में उनसे मिलते हैं तो अधिकारियों और कर्मचारियों को खड़े होकर उनका स्वागत करना होगा. पूरे सम्मान के साथ जनप्रतिनिधियों से पानी पीने का आग्रह करना होगा. इसके बाद अधिकारी जनप्रतिनिधियों को सम्मानपूर्वक विदा भी करेंगे।

हर हाल में रिस्वीव करनी होगी कॉल

निर्देश में ये भी लिखा है कि सभी अधिकारियों को सांसदों विधायकों के छूट और दूसरे मोबाइल नंबरों को अपने फोन

में सेव करना होगा. सांसदों और विधायकों की कॉल को हर हाल में रिस्वीव करना होगा. फोन ना उठा पाने की स्थिति में मैसेज करना या कॉल बैक करना अनिवार्य है. इसके अलावा सांसद और विधायक जनहित से जुड़े जो भी मुद्दे उठाएंगे. सभी अधिकारी उन्हें ध्यान से सुनेंगे. साथ ही उन मुद्दों का समाधान भी करना होगा। सरकार का तर्क है कि 15 बार निर्देश दिए जाने के बावजूद अधिकारियों के रवैये में सुधार न आने पर ये निर्देश जारी हुए हैं. इसमें लिखा है कि जनप्रतिनिधियों के प्रति प्रोटोकॉल और शिष्टाचार में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी. इस मामले को लेकर सपा मुखिया अखिलेश यादव ने एक पोस्ट किया है. इसमें उन्होंने लिखा, बीजेपी अपने विधायकों और सांसदों का सम्मान

भी मांगकर ले रही है. इज्जत फरमान से नहीं अच्छे काम से मिलती है।

असीम अरुण ने भी लगाए थे आरोप

बता दें कि प्रशासनिक अधिकारियों पर प्रोटोकॉल और अनुशासन तोड़ने के आरोप, मार्च में यूपी के मंत्री असीम अरुण ने भी लगाए थे. मामला कन्नौज का था, जहां दावा था कि कन्नौज के डीएम की वजह से मंत्री असीम अरुण को लगभग 45 मिनट इंतजार करना पड़ा था. इतना ही नहीं खरू और घरू भी मंत्री के आने के 15 मिनट बाद पहुंचे थे. इससे नाराज होकर असीम अरुण कार्यक्रम से वापस लौट गए और बाद में घरू को पत्र लिखकर उन्होंने इसे अनुशासनहीनता करार दिया था।

बजट सत्र में माता प्रसाद पांडेय ने क्या कहा था?

माता प्रसाद ने कहा था कि एक बार तो जिले के एसपी फोन उठा लेते हैं लेकिन थानेदार को फोन करने पर वह नहीं उठाता है. उन्होंने आरोप लगाया था कि लोग थानों में बैठकर दलाली करेंगे. लेकिन टेलीफोन नहीं उठाएंगे. एसपी अगर कभी सुन भी लेते हैं, थानेदार को फुर्सत ही नहीं है टेलीफोन उठाने की. हालांकि, उस समय विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने विधायक-सांसदों का प्रोटोकॉल का ध्यान का कि निर्देश दिया था।

एक मां रो रही, उसने 5वें बेटे को खो दिया पंजाब में ड्रग्स की समस्या पर SC सख्त

● सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने पंजाब में बढ़ती ड्रग्स की समस्या पर गंभीर चिंता जताई है. उन्होंने एक मां के दर्द का जिक्र किया जिसने ड्रग्स के कारण अपने सभी पांच बेटे खो दिए. सीजेआई ने पुलिस को संवेदनशील बनाने, एनडीपीएस अदालतें स्थापित करने और बड़े ड्रग सरगनाओं को पकड़ने पर जोर दिया।



अदालतें बनाने में सहायता प्रदान की जाए. बड़े सरगनाओं या प्रभावशाली लोगों को गिरफ्तार किया जाना चाहिए. समस्या यह है कि अगर आप किसी छोटे व्यक्ति को पकड़ लेते हैं तो पुलिस को अखबारों में प्रचार मिल जाता है।

ड्रग्स का केंद्र बनता जा रहा लुधियाना

उन्होंने कहा कि लुधियाना ड्रग्स का केंद्र बनता जा रहा है. शायद केंद्र सरकार के हस्तक्षेप की आवश्यकता हो सकती है लेकिन जब वो हस्तक्षेप करें तो यह न सोचें कि केंद्र हस्तक्षेप कर रहा है. साझा लक्ष्य ड्रग्स की समस्या पर अंकुश लगाना होना चाहिए।

लखीमपुर खीरी हिंसा मामले में सुनवाई

इस मामले से इतर सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा के बेटे आशीष

मिश्रा और अन्य के खिलाफ 2021 के लखीमपुर खीरी हिंसा मामले में सुनवाई के दौरान गवाहों को पेश न किए जाने पर नाराजगी जाहिर की. सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि प्रदेश सरकार ने जो स्टेटस रिपोर्ट सौंपी है, उसमें गवाहों को पेश न करने की कोई वजह नहीं बताई गई है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि करीब 2 महीने से इस केस में किसी गवाह से पूछताछ नहीं हुई. हम पीठासीन न्यायाधीश को गवाहों की उपस्थिति तय करने के लिए कानूनसम्मत कदम उठाने का निर्देश देते हैं. पीठ ने गौर किया कि पहले मामले में जिन 131 गवाहों को गवाही देनी थी, उनमें से 44 को गवाही हुई है. 15 को बरी मुक्त कर दिया गया है. 72 गवाह अभी भी पेश किए जाने बाकी हैं।

साक्षिप्त खबरें

सरकारी स्कूलों में लापरवाही को दर्शाता वीडियो वायरल



कोच (जालौन) - नदीगांव विकासखंड क्षेत्र में सरकारी स्कूलों की लापरवाही का एक मामला सामने आया है। यहां विद्यालयों में समय पर शिक्षक न पहुंचने से शिक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में कहीं स्कूल के गेट पर ताला लटका दिखाई दे रहा है तो कहीं मासूम बच्चे खुद विद्यालय का ताला खोलते नजर आ रहे हैं। बताया जा रहा है कि शासन के निर्देशानुसार विद्यालय सुबह 7:30 बजे तक खुल जाने चाहिए, लेकिन सुबह 8:30 बजे तक भी कई स्कूलों में शिक्षक नहीं पहुंचे। ऐसे में बच्चे स्कूल परिसर में बैकअप शिक्षकों का इंतजार करते रहे।

मामला नदीगांव विकासखंड के गंगेश्वर और भगवंतपुर गांव का बताया जा रहा है। वायरल वीडियो में पूर्व माध्यमिक विद्यालय गंगेश्वर और प्राथमिक विद्यालय भगवंतपुर की तस्वीरें सामने आई हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि क्षेत्र के कई सरकारी विद्यालयों में अक्सर यही स्थिति बनी रहती है और शिक्षक समय से स्कूल नहीं पहुंचते। लोगों का कहना है कि सरकार शिक्षा व्यवस्था सुधारने के लिए लापरवाह प्रयास कर रही है, लेकिन कुछ लापरवाह शिक्षक व्यवस्था को खराब करने में लगे हैं। ग्रामीणों ने मामले की जांच कर कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल वीडियो वायरल होने के बाद शिक्षा विभाग की कार्यवाही पर सवाल उठने लगे हैं। अब देखा होगा कि जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा मामले में क्या कार्रवाई की जाती है।

आगरा में हदसा, नाला सफाई करते नगर निगम कार्यवाही दीवार ढहने से दबे, एक की मौत

आगरा। थाना हरीपर्वत की पाश कालोनी बाग फरजाना में गुरुवार दोपहर हदसा हो गया। बरसात से पहले नालों की सफाई नगर निगम की ओर से कराई जा रही है। सफाई कार्य के दौरान चिकित्सक के घर की बाउंड्री बॉल ढह गई। इसके मलबे में दबकर नगर निगम के एक सचिवा कर्मी ने दम तोड़ दिया, जबकि दूसरा घायल है। हदसा चिकित्सक दंपती डा. राहुल नागरथ और डा. मोनिका नागरथ के घर के बाहर हुआ। गेट के बाहर नगर निगम के सचिवा श्रमिक नाले की खोदाई कर रहे थे। इसी दौरान चिकित्सक दंपती को गेट के बराबर की दीवार ढह गई। जिसमें एक श्रमिक लकावली निवासी 55 वर्ष के रमेश की मौत हो गई। दूसरा श्रमिक 26 वर्ष का करण घायल हो गया है।

ग्राम पंचायत निदूरी खम्हौवा में मनरेगा में बड़ा फर्जीवाड़ा

● रोजगार सेवक ने छोली फर्जीवाड़ा की पोल

● रोजगार सेवक घनश्याम तिवारी को दर किनार करके ग्राम प्रधान मनमानी लगा रही फर्जी हाजिरी

● नाला खुदाई कार्य के नाम पर ग्राम प्रधान सुन्दरावती देवी कर रही खेलसचिव नेहा वर्मा, टीए व मनरेगा एपीओ भ्रष्टाचार कराकर ग्राम प्रधान से ले रहे गुंमगांगा कमीशन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। जिले के विकासखण्ड हरैया की ग्राम पंचायत निदूरी खम्हौवा में मनरेगा कार्य के नाम पर बड़े भ्रष्टाचार का खुलासा हुआ है। रोजगार सेवक घनश्याम तिवारी ने खुद ग्राम प्रधान व सचिव पर गंभीर आरोप लगाए हैं। रोजगार सेवक घनश्याम तिवारी की मनरेगा आईडी रोजगार सेवक के पास है फिर भी रोजगार सेवक की आईडी से मनरेगा मजदूरों की फर्जी हाजिरी लगाई है। रोजगार सेवक



रही है। ग्राम पंचायत में चल रहे मनरेगा कार्य के बारे में रोजगार सेवक घनश्याम को कोई जानकारी नहीं है। ग्राम प्रधान सुन्दरावती व सचिव नेहा वर्मा द्वारा रोजगार सेवक के अधिकार का हनन किया जा रहा है। ग्राम प्रधान सुन्दरावती व सचिव नेहा वर्मा ने नाला खुदाई के नाम पर फर्जी ऑनलाइन मस्टर रोल जारी करवाया है। फर्जी मस्टर रोल के सहारे सरकारी धन लूटने की तैयारी में ग्राम प्रधान सुन्दरावती जुटी है। खण्ड विकास अधिकारी विनय कुमार द्विवेदी की मिलीभगत से बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार किया जा रहा है। जन रोजगार सेवक की आईडी रोजगार सेवक के पास है तो बिना ओपीटी/पासवर्ड के हाजिरी कैसे लग रही है? क्या फर्जी आईडी/पासवर्ड के प्रधान-सचिव के पास है? रोजगार सेवक

घनश्याम तिवारी ने खुद इस भ्रष्टाचार का खुलासा किया है। मीडिया टीम ने ग्राम पंचायत निदूरी सुन्दरावती व सचिव नेहा वर्मा द्वारा रोजगार सेवक के अधिकार का हनन किया जा रहा है। ग्राम प्रधान सुन्दरावती व सचिव नेहा वर्मा ने नाला खुदाई के नाम पर फर्जी ऑनलाइन मस्टर रोल जारी करवाया है। फर्जी मस्टर रोल के सहारे सरकारी धन लूटने की तैयारी में ग्राम प्रधान सुन्दरावती जुटी है। खण्ड विकास अधिकारी विनय कुमार द्विवेदी की मिलीभगत से बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार किया जा रहा है। जन रोजगार सेवक की आईडी रोजगार सेवक के पास है तो बिना ओपीटी/पासवर्ड के हाजिरी कैसे लग रही है? क्या फर्जी आईडी/पासवर्ड के प्रधान-सचिव के पास है? रोजगार सेवक

गोला में सौ मीटर सड़क के लिए फूटा गुस्सा, बनरही गांव में प्रदर्शन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर: गोला ब्लॉक क्षेत्र के बनरही गांव में सड़क निर्माण की मांग को लेकर ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। बुधवार को बड़ी संख्या में ग्रामीण मुख्य मार्ग पर उतर आए और प्रदर्शन करते हुए प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताई। ग्रामीणों का कहना है कि महज सौ मीटर सड़क बनने के कारण पूरा गांव आज भी बुनियादी सुविधाओं से वंचित है। ग्रामीणों के अनुसार, गांव को मुख्य सड़क से जोड़ने वाला करीब सौ मीटर का रास्ता अब भी कच्चा है। बरसात के मौसम में यह रास्ता कीचड़ में तब्दील हो जाता है, जिससे आवागमन पूरी तरह बाधित हो जाता है। हालात ऐसे हो जाते हैं कि पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता है। इसका सबसे अधिक असर स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों पर पड़ता है। कई बार आपात स्थिति में एंबुलेंस या अन्य वाहन गांव तक नहीं पहुंच पाते, जिससे लोगों की परेशानी और बढ़ जाती है। प्रदर्शन के दौरान ग्रामीणों ने बताया कि वे वर्षों से सड़क निर्माण की मांग करते आ रहे हैं। जनप्रतिनिधियों और संबंधित अधिकारियों को कई बार ज्ञापन भी दिया गया, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इससे नाराज



ग्रामीणों ने प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए जल्द से जल्द सड़क निर्माण की मांग उठाई। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। गांव के अजय पांडेय, रामेश्वर दुबे, श्रीकांत यादव, रामकलव, रामदरश यादव, राहुल दुबे, अमित यादव, कृष्ण मोहन यादव, आशुतोष दुबे और दीपक यादव सहित कई लोगों ने कहा कि केवल सौ मीटर सड़क बनने से पूरे गांव की तस्वीर बदल सकती है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। इस मामले में ग्राम सचिव उषेंद्र कुमार यादव ने बताया कि संबंधित रास्ता विवादित है, जिसके चलते निर्माण कार्य शुरू नहीं हो सका है। उन्होंने कहा कि उच्च अधिकारियों से निर्देश मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

विद्यालय की जमीन पर गैस एजेंसी को लाइसेंस कैसे मिला?

सिस्टम पर उठे सवाल लगे भ्रष्टाचार के आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महाराजगंज (नौतनवा) ग्राम सभा मुड़िला में शिक्षा विभाग की जमीन पर चल रहे 'प्रगतिशील गैस एजेंसी' के लाइसेंस और अनापत्ति प्रमाण पत्र ने पूरे सिस्टम को कठपंरे में खड़ा कर दिया है। बड़ा सवाल यह है कि जब आराजी संख्या 944मि की 1.368 हेक्टेयर जमीन 'इंटर कॉलेज' और 0.405 हेक्टेयर 'कन्या इंटर कॉलेज' के नाम दर्ज है, तो वहां गैस गोदाम को अनुमति किसने दी? जमीन स्कूल की, संचालन नहीं पूर्व जिला पंचायत सदस्य नरसिंह पाण्डेय द्वारा 28/04/2026 को जिलाधिकारी को दिए गए पत्र में बताया गया है कि जिस आराजी संख्या 944मि पर गैस गोदाम बनाई है, वहां 'इंटर कॉलेज' संचालित नहीं होता। वहीं से लगभग 50 मीटर की दूरी पर दूसरे आराजी नंबर पर दूसरे लोगों द्वारा विद्यालय का संचालन किया जा रहा है। फिर भी राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज शैक्षणिक भूमि को व्यावसायिक उपयोग के लिए कैसे दे दिया गया? NOC और लाइसेंस पर बड़ा 'खेल'



नियमानुसार रिहायशी और शैक्षणिक क्षेत्र में ज्वलनशील पदार्थ का गोदाम बनाने के लिए कड़ी शर्तें हैं। फिर भी गैस एजेंसी को NOC और लाइसेंस मिल गया। यह सीधे तौर पर मिलीभगत की ओर इशारा करता है। सबसे पहला सवाल यही उठ रहा है कि राजस्व विभाग ने भू-अभिलेखों की जांच किए बिना शैक्षणिक भूमि पर व्यावसायिक NOC कैसे जारी कर दी। दूसरा सवाल शिक्षा विभाग की सहमति को लेकर है। बिना शिक्षा विभाग की अनुमति के जमीन का भू-उपयोग बदला ही कैसे जा सकता है। तीसरा सवाल सुरक्षा मानकों की अनदेखी पर है। 50 मीटर दूर दूसरे आराजी नंबर पर विद्यालय संचालित होने के बाद भी अग्निशमन और विस्फोटक विभाग ने खतरे को नजरअंदाज क्यों किया। क्या पूरा सिस्टम भ्रष्टाचार के दलदल में

नया सत्र शुरू होने के एक महीने बाद भी एनसीईआरटी किताबों की किल्लत

» छात्रों को करना पड़ रहा इंतजार

» शैक्षणिक सत्र शुरू होने के एक महीने बाद भी एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तकों की भारी कमी है, योजनाबद्ध 15 करोड़ में से केवल 8 करोड़ ही छपी हैं।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। शैक्षणिक सत्र शुरू हुए एक महीने से अधिक समय बीत गया है, लेकिन एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तकों की मांग और आपूर्ति के अंतर को पाटने के लिए संघर्ष कर रही है। अब तक केवल आधी से कुछ अधिक पुस्तकें ही छपी हैं। एनसीईआरटी ने नए पाठ्यक्रम ढांचे के तहत कक्षा तीन से नौ तक की संशोधित पाठ्यपुस्तकें जारी की हैं और 2026-27 के शैक्षणिक सत्र के लिए 15 करोड़ पुस्तकें छपाने की योजना बनाई थी। हालांकि, अधिकारियों ने पुष्टि की है कि अब तक केवल आठ करोड़ प्रतियां ही छपी हैं।

पाठ्यपुस्तकों से वंचित रह गए कई छात्र

मांग और आपूर्ति के अंतर के बारे में पूछे जाने पर शिक्षा मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, 'हमें उम्मीद है कि मई में हम निर्धारित संख्या में पुस्तकें छाप पाएंगे।' इस देरी के कारण कई छात्र एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तकों की मांग और आपूर्ति के अंतर को पाटने के लिए संघर्ष कर रही है। अब तक केवल आधी से कुछ अधिक पुस्तकें ही छपी हैं। एनसीईआरटी ने नए पाठ्यक्रम ढांचे के तहत कक्षा तीन से नौ तक की संशोधित पाठ्यपुस्तकें जारी की हैं और 2026-27 के शैक्षणिक सत्र के लिए 15 करोड़ पुस्तकें छपाने की योजना बनाई थी। हालांकि, अधिकारियों ने पुष्टि की है कि अब तक केवल आठ करोड़ प्रतियां ही छपी हैं।



अधिकारी ने कहा, 'हमें उम्मीद है कि मई में हम निर्धारित संख्या में पुस्तकें छाप पाएंगे।' इस देरी के कारण कई छात्र एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तकों की मांग और आपूर्ति के अंतर को पाटने के लिए संघर्ष कर रही है। अब तक केवल आधी से कुछ अधिक पुस्तकें ही छपी हैं। एनसीईआरटी ने नए पाठ्यक्रम ढांचे के तहत कक्षा तीन से नौ तक की संशोधित पाठ्यपुस्तकें जारी की हैं और 2026-27 के शैक्षणिक सत्र के लिए 15 करोड़ पुस्तकें छपाने की योजना बनाई थी। हालांकि, अधिकारियों ने पुष्टि की है कि अब तक केवल आठ करोड़ प्रतियां ही छपी हैं।

पाठ्यपुस्तकों से वंचित रह गए कई छात्र मांग और आपूर्ति के अंतर के बारे में पूछे जाने पर शिक्षा मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, 'हमें उम्मीद है कि मई में हम निर्धारित संख्या में पुस्तकें छाप पाएंगे।' इस देरी के कारण कई छात्र एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तकों की मांग और आपूर्ति के अंतर को पाटने के लिए संघर्ष कर रही है। अब तक केवल आधी से कुछ अधिक पुस्तकें ही छपी हैं। एनसीईआरटी ने नए पाठ्यक्रम ढांचे के तहत कक्षा तीन से नौ तक की संशोधित पाठ्यपुस्तकें जारी की हैं और 2026-27 के शैक्षणिक सत्र के लिए 15 करोड़ पुस्तकें छपाने की योजना बनाई थी। हालांकि, अधिकारियों ने पुष्टि की है कि अब तक केवल आठ करोड़ प्रतियां ही छपी हैं।

51आंगनवाड़ी सहायिकाओं को नियुक्ति पत्र एवं 225 सहायिकाओं को बाटे स्मार्टफोन



सिद्धार्थनगर। बढ़ती ब्लाक परिसर में बुधवार को बाल विकास एवं पुष्ट्यार विभाग के द्वारा आयोजित 51 आंगनवाड़ी सहायिकाओं को नियुक्ति पत्र एवं 225 आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों को स्मार्टफोन का वितरण शोहरतगढ़ विधायक विनय वर्मा की मौजूदगी में किया गया। इस दौरान उन्होंने कहा कि हर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के पास एक स्मार्टफोन होना चाहिए। वह जो मेहनत करती हैं उसका रियल टाइम डाटा हमें समय पर नहीं मिल पाता है, समय पर डाटा अपलोड न पाने की वजह से हमारी रैकिंग कम होती है, इसलिए स्मार्टफोन देना और उन्हें इसके उपयोग में पारंगत करना आवश्यक है। आपकी भूमिका कितनी बढ़ने वाली है, इसलिए हर प्रकार की सुविधा देने के लिए काम को आगे बढ़ाया जा रहा है। इस दौरान बीडीओ अनिश मणि पाण्डेय, सीडीपीओ सबकी निगाहें जिलाधिकारी महाराजगंज पर हैं। देखा है कि प्रशासन इस 'खेल' का पर्दाफाश करता है या फाइलों में दबा देता है।

चुनाव हारने के बाद ममता दीदी की ओछी राजनीति

पश्चिम बंगाल की पावन धरती पर 2026 के विधानसभा चुनावों के बाद जो दृश्य उभरा है वह भारतीय राजनीति के इतिहास में एक अत्यंत जटिल और अभूतपूर्व अध्याय के रूप में दर्ज हो चुका है। वर्ष 2011 में जब ममता बनर्जी ने 34 वर्षों के सुदृढ़ वामपंथी शासन को उखाड़ फेंका था तब इसे एक बड़े परिवर्तन के रूप में देखा गया था। उस समय उन्होंने स्वयं को निर्धन वर्ग, कृषकों और बंगाल की अस्मिता के रक्षक के रूप में प्रस्तुत किया था। परंतु समय का चक्र ऐसा घूमा कि 15 वर्षों के उनके शासन के पश्चात 2026 में जनता ने एक ऐसा निर्णय सुनाया जिसने सत्ता के गतिधारा को हिलाकर रख दिया। इस चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने अपनी संगठनात्मक शक्ति का परिचय देते हुए 294 निर्वाचन क्षेत्रों में से 207 क्षेत्रों पर विजय प्राप्त कर स्पष्ट बहुमत का जादुई आंकड़ा पार कर लिया। दूसरी ओर राज्य में लंबे समय से शासन कर रही तृणमूल कांग्रेस मात्र 80 स्थानों पर सिमट कर रह गई। यह परिणाम न केवल चौंकाने वाला था अपितु इसने राज्य की राजनीतिक दिशा को पूरी तरह से बदल दिया। इस बार मतदान का स्तर 92.93 प्रतिशत तक पहुंच गया जो बंगाल के निर्वाचन इतिहास में अब तक का सर्वाधिक मतदान माना जा रहा है। इतनी बड़ी संख्या में मतदाताओं का घर से बाहर निकलना इस बात का संकेत था कि जनता के मन में परिवर्तन की तीव्र आकांक्षा थी।

जैसे ही चुनाव परिणाम आधिकारिक रूप से घोषित हुए राज्य में राजनीतिक प्रतिक्रियाओं का एक ऐसा दौर आरंभ हुआ जिसने पूरे राष्ट्र का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर लिया। विपक्षी दलों और राजनीति के जानकारों ने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी ने लोकतांत्रिक परंपराओं का सम्मान करने के स्थान पर टकराव का मार्ग चुन लिया है। निर्वाचन परिणामों के तत्काल पश्चात उन्होंने जो वक्तव्य दिया उसने एक नया विवाद खड़ा कर दिया। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि यह उनकी हार नहीं है बल्कि

एक सुनियोजित षड्यंत्र की जीत है। उन्होंने विधानसभा चुनावों के बाद जो दृश्य उभरा है गंभीर प्रश्न खड़े करते हुए दावा किया कि लगभग 100 निर्वाचन क्षेत्रों में जनदेश को लुटा गया है। इसके अतिरिक्त उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक मतदान यंत्रों की विश्वसनीयता पर भी सदेह व्यक्त किया। उनके अनुसार कई मतदान यंत्रों में विद्युत संचय की क्षमता अर्थात बैटरी का स्तर असामान्य रूप से 99 प्रतिशत पाया गया जो उनकी दृष्टि में किसी बड़ी गड़बड़ी का संकेत था। उन्होंने इस पूरे चुनाव को एक पूर्व निर्धारित खेल की संज्ञा दी जिसे सुनकर विपक्षी खेमे में भारी रोष व्याप्त हो गया। राजनीतिक बहसों/संघर्षों का तर्क था कि यदि चुनाव प्रक्रिया में कोई विसंगति थी तो उसके लिए निर्धारित कानूनी और संवैधानिक मंच उपलब्ध हैं लेकिन सार्वजनिक रूप से पूरी लोकातांत्रिक संस्था पर प्रश्न उठाना जनमत का आन्दर करने जैसा है।

विवाद उस समय और अधिक गहरा गया जब ममता बनर्जी ने मुख्यमंत्री के पद से इस्तीफा देना से स्पष्ट मना कर दिया। संसदीय लोकतंत्र की यह एक स्थापित मर्यादा रही है कि जब कोई सरकार विधानसभा में अपना बहुमत खो देती है तो वह नई सरकार के गठन का मार्ग प्रशस्त करने के लिए तत्काल पद छोड़ देती है। परंतु ममता बनर्जी ने तर्क दिया कि वह एक राजनीतिक और कानूनी लड़ाई लड़ रही हैं और वह तब तक पद नहीं छोड़ेंगी जब तक कि स्थिति पूरी तरह स्पष्ट नहीं हो जाती। इस निर्णय ने एक गंभीर संवैधानिक संकट को जन्म दिया। देश के प्रमुख संवैधानिक विशेषज्ञों ने इस पर विंता व्यक्त की कि यदि निर्वाचन आयोग ने नई विधानसभा के गठन की अधिसूचना जारी कर दी है तो निवर्तमान सरकार का पद पर बने रहना अनैतिक और अवैध हो सकता है। राज्यपाल और मुख्यमंत्री के मध्य वि्वंचाव की स्थिति उत्पन्न होने लगी और राज्य का प्रशासन अनिश्चितता के भंवर में फंस गया। भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने इसे लोकतंत्र की हत्या



और सत्ता के प्रति मोह बताया। उनका कहना था कि जब जनता ने स्पष्ट रूप से परिवर्तन के लिए मंदा दिया है तो सत्ता का शांतिपूर्ण हस्तान्तरण होना चाहिए। इस चुनाव का सबसे संवेदनशील पहलु ममता बनर्जी की अपनी पारंपरिक सीट भवानीपुर से हारना रहा। इसी क्षेत्र ने उन्हें पहले भी कई बार बड़ी जीत दिलाकर उनके राजनीतिक कद को ऊंचा किया था। इस बार प्रश्न उठाना जनमत का आन्दर करने पड़ भी प्रश्नचिह्न लगा दिए। अपनी हार पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि मतगणना के अंतिम चरणों में धांधली की गई और उनके मतों की चोरी हुई। उनके इन आरोपों ने निर्वाचन अधिकारियों और प्रशासनिक अमले को भी विवादाें में खींच लिया। विपक्ष ने पलटवार करते हुए कहा कि हार स्वीकार करने की राजनीतिक संस्कृति का ह्र्वास हो रहा है जो स्वस्थ लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं है। चुनाव के पश्चात राज्य के विभिन्न हिस्सों से हिंसा और तनाव की सूचनाएं भी प्राप्त हुईं। राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं के मध्य हिंसक झड़पें, सार्वजनिक संपत्तियों को क्षति पहुंचाना और विशेष प्रदर्शनों ने जनजीवन को प्रभावित किया। प्रशासन को स्थिति नियंत्रित करने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा बलों की सहायता लेनी पड़ी।

तृणमूल कांग्रेस के भीतर भी इस हार के बाद असंतोष की ज्वाला भड़क उठी। पार्टी के कई पुराने नेताओं और सांसदों ने दबी जुबान में नेतृत्व की कार्यशैली पर सवाल उठाए। पूर्व सांसद जवाहर सरकार जैसे अनुभवी व्यक्तियों

ने यह संकेत दिया कि पार्टी के भीतर चापलूसी और ष्ट्याचार ने अपनी जड़ें गहरी कर ली थीं। उन्होंने यह भी कहा कि जमीनी कार्यकर्ताओं की निरंतर उपेक्षा की जा रही थी और वास्तविक स्थिति को शीर्ष नेतृत्व से छुपाया गया। विश्लेषकों का मानना है कि इस भारी पराजय के पीछे तीन प्रमुख कारण रहे हैं। प्रथम कारण निरंतर 15 वर्षों तक सत्ता में रहने के कारण उत्पन्न हुआ असंतोष था। द्वितीय कारण स्थानीय स्तर पर ष्ट्याचार और अवैध वसूली जैसे गंभीर आरोप थे जिन्हें भारतीय जनता पार्टी ने अपने अभियान का मुख्य केंद्र बनाया। तृतीय कारण पार्टी के भीतर संगठनात्मक कमजोरी थी जो विपक्षी लहर का सामना करने में विफल रही। भाजपा ने इन कमजोरियों का लाभ उठाते हुए एक आक्रामक चुनावी अभियान चलाया और जनता को एक नए विकल्प का विश्वास दिलाया।

ममता बनर्जी का राजनीतिक जीवन सदैव संघर्षपूर्ण रहा है। वह अपनी जुझारू छवि और आंदोलनों के लिए जानी जाती रही हैं। रेल मंत्रि के रूप में उनके कार्यकाल से लेकर सिंगूर और नंदीग्राम के आंदोलनों तक उनकी एक विशेष पहचान रही है। परंतु आलोचकों का तर्क है कि सत्ता में लंबे समय तक रहने के बाद उनकी बड़ी संघर्षशील शैली अब संवैधानिक संस्थाओं के विरुद्ध एक ढाल के रूप में उपयोग की जाने लगी है। राज्यपाल, निर्वाचन आयोग और केंद्रीय जांच एजेंसियों के साथ उनका निरंतर टकराव उनकी इसी प्रवृत्ति को दर्शाता है। दूसरी ओर

महेन्द्र तिवारी

ब्रह्मांड के सबसे बड़े देवता माता-पिता, बुजुर्गों की सेवा सबसे बड़ा तीर्थ

मां शब्द बड़ा ही मृदु, विशाल और व्यापक होता है पूरी सृष्टि इसमें समाहित होती है। मां ,धरती, जननी, धरा ,माते इतने पवित्र शब्द है कि संताने उनका ऋण कभी नहीं चुका सकती हैं और पिता वटवृक्ष से घना सत्या है मातु -पितु ऋण से कभी उचर नहीं जा सकता है। पितु पश्व में माता-पिता के ऋण से उनको के ब्रह्मांड के सबसे बड़े देवता माता-पिता। बुजुर्गों की सेवा सबसे बड़ा तीर्थ लिए ऐसे व्यक्ति भी जोर-जोर से श्राद्ध कर्म करके लोगों को भोजन से तृप्त करने का प्रयास करते हैं जिन्होंने अपने माता-पिता के जीवित रहते हुए कभी उनके प्रति श्राद्ध के भाव नहीं दिखाए एवं उनकी यथांचित श्राद्ध पूर्क संवा सेवा तथा देखभाल नहीं की थी जिससे संताने ने अपने माता-पिता के जीवित रहते हुए उनकी सच्ची सेवा एवं सर्वांगीण सम्मान किया हो केवल वे ही मातु-पितु ऋण से उचरने के लाभ के हकदार होते है। जीवित अवस्था में अभाव में भोजन पानी को तरसते हुए माता-पिता की मृत्यु के पश्चात अपनी आत्म संतुष्टि और सामाजिक रूप से दिखावे के लिए , संतानों द्वारा किया गया श्राद्ध कर्म मिथ्या अथवा आडंबर ही हो सकता है सच्ची सेवा नहीं।

यूरोप और पश्चिम देश इतने अभागे हैं कि वे अपने माता और पिता को वृद्ध आश्रम में छोड़ आते है या उन्हें छोड़कर स्वयं संताने दूर चली जाती है। स्विजरलैंड जैसे खूबसूरत देश में बुजुर्ग दंपति इच्छा मृत्यु लेकर अपना अंतिम समय व्यतीत करते हैं। भारत इस मामले में काफी हद तक सांस्कृतिक संस्कारी रूप से समृद्ध है मां-बाप संतानों के पास रहते हैं और शांतिपूर्वक जीवन यापन करते है। कुछ प्रतिशत छोड़ दिया जाए महानगरों में संताने मां और पिता को वृद्ध आश्रम में रखने का उक्क्रम करने लगे हैं। पाश्चात्य सभ्यता की यह अंधी नकल बुजुर्ग दंपतियों के लिए बड़ी ही मार्मिक और हृदय विदारक होती है। वृद्ध दंपतियों का अनुभव परिवार के विकास समृद्धि के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। यह विडंबना है कि जब व्यक्ति अत्यंत अनुभवी परिपक्व,प्रबुद्धशाली हो जाता है तब उसके अनुभव कार्य की लान शीलता और परिपक्व मस्तिष्क का हम सढुपुपुग्य नहीं करते उन्हें अवकाश प्रदान कर देते हैं। यह भी इस सिक्के का दूसरा पहलू है कि ईस उम्र में शरीर में

थकावट और वृद्धावस्था आ जाती है पर हम उन्हें सम्मान और यथा योग्य महत्व देकर उनके मार्गदर्शन और परामर्श का यथांचित लाभ लेकर अपने जीवन व्यवसाय अथवा नई नीतियों में सफलता प्राप्त कर सकते हैं, पर अमूमन ऐसा होता नहीं है।

वृद्धावस्था को जीवन का अंतिम पइलव एवं समस्याओं से विधे हुई अस्थ्या माना जाता है, क्योंकि इस अवस्था में वृद्धों को अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ता है।समय की रफ्तार के साथ समाज में अनेक परिवर्तन होने लगे है। वर्वीन पीछे के लोग पुराने विचारों के लोगों का उनके जीवन में हस्तक्षेप उचित ना समझ कर बर्दाश्त नहीं करते हैं,इसी कारण युवा पीछे बुजुर्गों और वृद्धों के विचारों की गहन उपेक्षा करने लगेते हैं और बुजुर्गों को लगता है कि उनकी समाज में उपयोगिता धीरे धीर कम हो रही है। जीवन का सांथ्य काल आने पर मनुष्य कई समस्याओं से खिर जाता है। सबसे बड़ी समस्या शारीरिक क्षमता में कमी आ जाने की है, शरीर की सभी इंद्रियां धीमी पड़ जाती हैं,अनेक प्रकार की व्यक्तियों से शरीर खिर जाता है और मनुष्य धीरे-धीरे शरीर पर नियंत्रण खोता जाता है। उम्र के वृद्धावस्था के पइलव पर अनेक शारीरिक बीमारियों के साथ-साथ मूल समस्या मानसिक व्यधि की होती है। सरकारी तथा गैर सरकारी संगठनों में वेतन भोगी कर्मचारी को एक निर्धारित आयु के बाद सेवानिवृत्त कर दिया जाता है और यह माना लिया जाता है कि वह व्यक्ति अब शारीरिक एवं मानसिक श्रम के योग्य नहीं रहा चाहे वह व्यक्ति स्वस्थ ही क्यों ना हो। इसके बाद उस व्यक्ति के जीवन में अनेक कठिनाई आने लगती हैं। जैसे ही व्यक्ति की आर्थिक उपयोगिता समाज में कम होने लगती है, वह समाज के लिए अनुपयोगी माना लिया जाता है और इस अवस्था में पहुंचने के बाद मानसिक तनाव की स्थिति बनने लगती है। लोगों के संपर्क में न रहना, सहयोगी तथा मित्रों की मृत्यु भी मानसिक तनाव का बड़ा कारण होती है। आत्मविश्वास की धीरे-धीरे कमी होने लगती है, जिससे मानसिक विकृति अकेलाना आदि जैसे रोगों का निर्माण होने लगता है। इस अवस्था में मान सम्मान की कमी की समस्या तो होती ही है, दूसरी तरफ सीमित तथा अल्प धन की उपलब्धता के कारण

आर्थिक कष्ट भी वृद्धों को उठाना पड़ता है। इसके साथ ही परिवार तथा समाज की नजरों में व्यक्ति अनुपयोगी, बोझ, समझा जाने लगता है, जिससे बुजुर्ग व्यक्ति के मन में एक प्रकार की विगुणा आने लगती है। और कई बुजुर्ग इस अवहेलना को बर्दाश्त न कर के आत्महत्या तक कर बैठते है। जो व्यक्ति कुछ समय पहले तक महत्वपूर्ण था, विज्ञित था वह अचानक ही बोझ समझा जाने लगता है। उसके मान सम्मान एवं भावनाओं का महत्व बहुत कम हो जाता है। भागदौड़ वाली इस जिनंदगी में युवा पीढ़ी अपने बुजुर्गों से एक दूरी बनाना शुरु कर देती है और वह व्यक्ति अकेला ही रह जाता है। जब मनुष्य अपने को एकाकी समझने लगता है तो यह उसके जीवन का सर्वाधिक कठिन समय एवं पल होता है। आत्मविश्वास जनित प्रेरणा की कमी वृद्धावस्था को बोझिल बना देती है। व्यक्ति की स्थिति अत्यंत दयनीय हो जाती है, दूसरों पर निर्भरता बढ़ने लगती है। नई पीढ़ी द्वारा उसे अकेला छोड़ दिया जाता है। यही परिस्थिति वृद्धा अवस्था के लिए एक अभिशाप की तरह होती है।

वृद्धावस्था में मनुष्य के मानसिक तथा शारीरिक कष्ट के प्रमुख कारणों में से संयुक्त परिवार का विघटन भी है। युवा पीढ़ी द्वारा अपने मां-बाप से अलग होकर रहने की चाहत हमारे देश में एक गंभीर समस्या पड़ा करती है। वृद्ध व्यक्ति या दंपति को जिस आयु में पुत्र, पुत्रियों की सबसे ज्यादा आवश्यकता होती है, ऐसे समय में पुत्र द्वारा उनकी देखभाल छोड़कर अलग रहने के लिए अलग मकान बनाना या किराए पर रहना, उस दंपति या व्यक्ति को मानसिक रूप से प्रताड़ित भी करती है। भारत देश वही देश है यहां की संस्कृति में परिवार के बुजुर्ग को भगवान के समान माना जाता था, किंतु संयुक्त परिवार प्रणाली के विघटन के कारण आज की नई युवा पीढ़ी ना तो बड़ें के अनुशासन में रहना चाहती है नहीं उन्हें किसी प्रकार का आदर सम्मान देना चाहती है। औद्योगिकरण और विसंस्कृतिकरण प्रणाली के फल स्वरुप युवा पीढ़ी के रहन-सहन एवं जीवन शैली में तीव्र बदलाव देखा जा रहा है। इस युग में व्यक्ति जितना अपने कार्यों में व्यस्त हो गया है कि उसके परिवार के साथ बैठने, रहने की फुर्सत ही नहीं मिल पाती।

भारत में बदलते परिवेश में ओल्ड एज होम की अवधारणा तेजी से बल पकड़ती जा रही है। नई पीढ़ी तरह पुरानी पीढ़ी के बीच एक तरह कम्युनिकेशन गैप भी आ जाता है, जो बुजुर्गों के लिए एक बड़ी समस्या होती है। बुजुर्ग दंपति हो या व्यक्ति के पास जब तक धन रहता है तब तक उनके पुत्र, पुत्री उनका ख्याल रखते हैं और जब वह धनहीन हो जाते हैं, तो उन्हें नकार दिया जाता है। यह एक बड़ी समस्या आज बुजुर्गों के सामने यश्र प्रश्न बनकर खड़ी है। व्यक्ति को बुजुर्ग अवस्था में जब सबसे ज्यादा धन की आवश्यकता होती है तब उसके पास धन नहीं होता है। यह धन की कमी उपेक्षा का बड़ा कारण भी बनती है। युवा पीढ़ी का व्यक्तिगत स्वार्थ एवं धन के प्रति आकर्षण भी बुजुर्गों के प्रति प्रभाव तथा उपेक्षा का मूल कारण होता है।

व्यक्ति का जब सर्वश्रेष्ठ काल होता है तब उपेक्षित और समस्या ग्रस्त होकर अवसाद ग्रस्त हो जाता है। अग्रजो के प्रसिद्ध कवि रॉबर्ट ब्राउनिंग वृद्धावस्था के बारे में लिखा है भेरे साथ रहे, रुको चूड़ हो, अभी जीवन का सर्वोत्तम शेष है। वृद्ध व्यक्ति भी मानव है, उसे भी संवेदना, सहानुभूति और साथ ही आवश्यकता होती है। नई पीढ़ी को चाहिए कि वृद्धों के साथ सम्मानजनक व्यवहार करें उनकी लगातार सेवा करनी चाहिए, उनके मार्गदर्शन उनका परामर्श परिवार तथा समाज के लिए जल कल्याणकारी होता है। भारतीय संस्कृति के अनुसार आकाशीवाद उनकी शुभकामनाएं लोक मंगलकारी होती हैं यह माना जाता है कि बुजुर्ग का आशीर्वाद ईश्वर के आशीर्वाद जैसा ही होता है।

संजीव तक्कूर

मुस्कुराहट छीन रहा है, जाम का झाम



संपादक/लेखक: राजीव शुक्ला

लखनऊ, नवाबों की नगरी, आज यातायात जाम की भयावह समस्या से जूझ रहा है। जाम का झाम अब यहां रोजमर्रा की जिंदगी का अभिन्न अंग बन चुका है, जो लाखों नागरिकों को मानसिक, शारीरिक और आर्थिक रूप से परेशान कर रहा है। हजरतगंज, गोमती नगर, चिनहट, दलीगंज, हनुमान सेतु या चारबाग – शहर के किसी भी कोने में सुबह 8 बजे निकलें तो गंतव्य पहुंचने का समय अनिश्चित हो जाता है।

वर्तमान हकीकत बेहद चिंताजनक है। हजरतगंज में पीक ऑवर्स में करीब 1.4 लाख वाहन गुजरते हैं। सीएम-ग्रिड प्रोजेक्ट के चलते सड़कें खोद दी गई हैं, जिससे संकरी गलियां और धूल-धुआं लोगों की परेशानी बढ़ा रहे हैं। ग्रीन कॉरिडोर जैसी महत्वाकांक्षी अपनी एक गरिमा होती है और किसी भी बड़े राजनेता की परिपक्वता का परीक्षण उस समय होता है जब वह प्रतिकूल परिस्थितियों में भी जनमत का सम्मान करता है। पश्चिम बंगाल के इस घटनाक्रम ने न केवल राज्य के भविष्य बल्कि भारतीय लोकतंत्र की कार्यप्रणाली और राजनीतिक आचरण पर भी कई मौलिक प्रश्न खड़े कर दिए हैं जिनका उत्तर भविष्य का राजनीति ही दे पाएगा। 294 निर्वाचन क्षेत्रों वाली इस विधानसभा में अब नई शक्ति उभर उठे हैं और बंगाल की जनता अब यह देख रही है कि आने वाले समय में उनके अधिकारों और राज्य के विकास की दिशा क्या होगी।

महेन्द्र तिवारी

‘में इस्तीफा नहीं दूंगी’:क्या यह ब्यान संवैधानिक है या लोकतांत्रिक मर्यादाओं का अतिक्रमण ?’

भारतीय लोकतंत्र में राजनेताओं द्वारा दिये गये ब्यान केवल शब्द या अभिव्यक्ति नहीं होते, वे व्यवस्था की दिशा भी तय करते हैं और राजनेताओं का आचरण। जब माननीय मुख्यमंत्री ममता बनर्जी जैसा विरिष्ट नेतृत्व विधानसभा चुनाव में अपनी पार्टी और स्वयं के हार के बाद यह वक्तव्य देता है कि ‘ मैं इस्तीफा नहीं दूंगी’, तो यह एक साधारण राजनीतिक वक्तव्य नहीं रह जाता, बल्कि संवैधानिकता, नैतिकता के लोकतांत्रिक परंपराओं पर गहन बहस का विषय बन जाता है। भारत का शासन तंत्र संसदीय लोकतंत्र पर आधारित है और संविधान द्वारा संचालित। राज्य स्तर पर मुख्यमंत्री की वैधान विधानसभा में बहुमत से निर्धारित होती है।यदि किसी दल या गटबंधन के पास बहुमत नहीं है, तो वह सरकार बनाने का नैतिक और संवैधानिक अधिकार खो देता है।ऐसी स्थिति में या तो वैकल्पिक बहुमत सिद्ध किया जाता है या पद छोड़ना पड़ता है।इस दृष्टि से ‘ बहुमत के बिना इस्तीफा न देने’ का कथन या यूं कहें बहुमत वाले दल के लिए सक्ता हस्ततंत्रण हेतु पद न छोड़ने जैसे वक्तव्य संवैधानिक भावना के विपरीत प्रतीत होते हैं। भारत में इस तरह का ब्यान शायद अपने आप में पहल्ला है।

संविधान केवल प्रावधानों का दस्तावेज नहीं, बल्कि संवैधानिक नैतिकता का भी आधार है।डाॅ. भीमराव आंबेडकर ने स्पष्ट कहा था कि संविधान की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि उसे लागू करने वाले लोग कितनी ईमानदारी से उसका पालन करते हैं।ऐसे में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है,क्या इस तरह के

ब्यान देने की प्रवृत्ति लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप है?क्या यह जनोदेश का अपमान नहीं है? ममता दीदी पर मुख्यमंत्री कार्यकाल के दौरान महाहिम राष्ट्रपति के प्रदेश आगमन पर उन्हें प्रोटोकॉल के अनुरूप सम्मान न देना, केन्द्रीय जांच एजेंसियों के सहयोग न करना, जांच में व्यवधान उत्पन्न करना,सचन मतदाता जांच का विरोध करना, चुनाव आयोग के अधिकारियों के कार्यों में व्यवधान उत्पन्न करना, समुदाय विशेषे को लाभ पहुंचाना जैसे बहुत सारे आरोप समय-समय पर लगाते रहे हैं। इन्में कितने आरोप संवैधानिक रूप से सही है या नहीं यह न्यायलय का तय करना का विषय है।

कविता

माता-पिता के चरण,
सबसे पवित्र तीर्थ,
माँ की घंटी से पहले,
माता-पिता की आवाज़ सुनो,
जहाँ माँ की ममता गीता सुनाती,
पिता की वाणी उर्पनिषद् तीर्थों की पावन सीढ़ी क्या,
यदि मन में सम्मान नहीं,
जिस घर में माता-पिता हैंसते,
उससे बढ़कर धाम नहीं?

माँ की आँखों में गंगा बसती,
पिता के माथे पर कैलाश,
उनके चरणों की धूलि़ल में छिपा,
जीवन का सारा प्रकाश।

जिसने ऊँरली पकड़ सिखाया,
घूप में चलना मुस्कुराकर,
वही देवता द्वार खड़े
क्यों भटकें जग-जग जाकर।

काँध पर बैठ बचपन सारा,
उन्की छाया में तलता
उनके आशीषों का सूरज
हर अधिचारे को छलता ।

काबा, कारी, मक्का, मथुरा,
सबका सार यही मिलता,
माता-पिता की सेवा से ही
मन का दीपक है खिलता।

जो बूढ़े हाथों को थामे,
वही सच्चा ईसान बने,
उन्की थकी हुई सौंसों में
अपने जीवने के गीत सुने।

मत ढूँढें ईश्वर अम्बर में,
वह तो घर के भीतर
माँ की ममता, पिता का तप ही
धरती पर सच्चा ईश्वर है।

जिसने माता-पिता को पूजा,
उसका हर दिन पर्व हुआ,
उन्की सेवा सबसे बड़ा तीर्थ,
सच्चा मनुष्य का धर्म-कर्म हुआ।

स्वामी – स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ल द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी संकलन है, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोट:** उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादों का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.NI NO. UPHIN/2012/43078 मे0 नं0-9511151254, E-Mail- news@swatantraprabhat.com

117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना सौराचद तहसील व जपदद सीतापुर से प्रकाशित तथा महवीर आफफ्ट 28, होनेट रोड लखनऊ से मुद्रिता सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में तमे समस्त समाचार संबाददाताओं के अपने श्रोत एवं

संक्षिप्त खबरें

चालानों का राष्ट्रीय लोक अदालत में कराये सरल निस्तारण

जिला न्यायालय में राष्ट्रीय लोक अदालत का प्रातः 10 बजे से होगा आयोजन

रायबरेली:- राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 09 मई 2026 को दीवानी न्यायालय, रायबरेली में प्रातः 10 बजे से किया जा रहा है। इस राष्ट्रीय लोक अदालत में अन्य मामलों के साथ-साथ वाहनों के ई-चालानों का निस्तारण सुगमता से कराया जा सकता है। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनिशा द्वारा बताया गया कि जिन व्यक्तियों के वाहनों का पुलिस अथवा यातायात पुलिस द्वारा ई-चालान किया गया है वे सभी व्यक्ति 09 मई 2026 को दीवानी न्यायालय परिसर रायबरेली में आकर राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से सुगमता से अपने मामले का निस्तारण करा सकते हैं।

हमें अपने वरिष्ठ को उतार आकरण को सही करना होगा, नमाज की पाबन्दी के बिना कुछ भी सम्भव नहीं- फुटकान मियां हशमी



खैराबाद सीतापुर- स्थानीय दरगाह हाकिमिया अस्मिया में चल रहे पांच दिवसीय 181 वें उर्स के दूसरे दिन प्रातःकाल कुरआन ख़ानी हूँ तथा 3 बजे से महीफते सप्ता प्रारंभ हुईं और साय काल हाफिज जफर मोहम्मद अली शाह का कुल शरीफ संन हुआ उन्नत अवसर पर उपस्थित सज्जदानागान में नजबुल हसन शोख मियां, सैयद अजीजुल हसन रिजवी मदनी मियां, सैयद गयास मियां, एजाज हसन एडवोकेट, दरगाह समर्पित फर्गुस शरीफ के मौलाना सैयद अजहर मियां चिस्ती, सैयद लईक अहमद किरमानी, हैदराबाद से हजरत हबीब अली शाह के सज्जदानागान जावेद पाशा, तथा इक़रम एजाज, सैयद मुक़तार, रहीम गिलिमी, हमीद मिर्ज़ा तथा मुबई से इमरान अहमद, इफ़रान अहमद, इबाद अहमद, मद्रस चेन्नाई से सज्जदा अली बाबा आदि मौजूद थे इसके पश्चात रात में हाफिज मोहम्मद सैयद मोहम्मद हसन मियां के आस्ताने पर संदल शरीफ पेश किया गया। उपस्थित श्रद्धालुओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि हम सबको अपने बुजुर्गों की शिक्षा पर पूरी तरह अमल करना चाहिए और नमाज की पाबन्दी आवश्यक रूप से करनी होगी दरगाह में आयोजित सभी कार्यक्रमों में उपस्थित रहने वालों में दरगाह के मतकल्लती सैयद नवेद अस्लम हाशमी सैयद फरजान मियां, सैयद फरहान मियां, सैयद फरमान मियां चिस्ती, वक्कर मियां, मौलाना सैयद गुलाम हाफिज मियां, क़ारी इस्लाम आरफी, इमरान सिद्दीकी आदि मौजूद थे।

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम लक्ष्मण प्रसाद पुत्र स्व0 लीला राम व रामरती पत्नी श्री लक्ष्मण प्रसाद निवासी-593/124 रेवातापुर, (शकूरपुर) निलमथा, लखनऊ उत्तर प्रदेश का स्थायी निवासी हूँ मैंने दिनांक-28.12.2021 को अपने पुत्र सत्येन्द्र कुमार उर्फ बबू व पुत्रवधु सुभगा को अपनी चाल व अचल सम्पत्ति से बेदखल करने हेतु सार्वजनिक सूचना 'स्वतन्त्र भारत' समाचार पत्र में प्रकाशन कराया था। जिसका सी0आर0 नं0-1737/एल0 47 है। मेरी पत्नी का देहान्त दिनांक-13.10.2024 को हो चुका है। यह कि शपथी के प्रति शपथी के पुत्र व पुत्रवधु का आचरण काफ़ी बदल गया है, और दोनों लोग शपथी का कहना मानते हैं व शपथी की देखभाल, सेवा सुश्रुता करते हैं तथा दोनों लोग शपथी के साथ घर में रहते हैं। अब शपथी को अपने किसी भी प्रकार की कोई दिक्कत नहीं होती है तथा समाचार पत्र में प्रकाशित बेदखल की सूचना को वापस लेना चाहता हूँ।

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम लक्ष्मण प्रसाद पुत्र स्व0 लीला राम व स्व0 रामरती पत्नी श्री लक्ष्मण प्रसाद निवासी-593/124 रेवातापुर, (शकूरपुर) निलमथा, लखनऊ छ मैंने दिनांक-28.12.2021 को अपने पुत्र राघवेन्द्र कुमार उर्फ कुक्कू व पुत्रवधु सविता चौधरी को अपनी चाल व अचल सम्पत्ति से बेदखल करने हेतु सार्वजनिक सूचना 'स्वतन्त्र भारत' समाचार पत्र में प्रकाशन कराया था। जिसका सी0आर0 नं0-1737/एल0 47 है। मेरी पत्नी का देहान्त दिनांक-13.10.2024 को हो चुका है। मेरे प्रति शपथी के पुत्र व पुत्रवधु का आचरण काफ़ी बदल गया है, और दोनों लोग शपथी का कहना मानते हैं व शपथी की देखभाल, सेवा सुश्रुता करते हैं तथा दोनों लोग शपथी के साथ घर में रहते हैं। अब शपथी को अपने किसी भी प्रकार की कोई दिक्कत नहीं होती है तथा समाचार पत्र में प्रकाशित बेदखल की सूचना को वापस लेना चाहता हूँ।

रहीमाबाद थाना क्षेत्र में पैतृक संपत्ति के बंटवारे को लेकर सगे भाइयों में खूनी संघर्ष

लाठी-डंडों और धारदार हथियार से हमला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के रहीमाबाद थाना क्षेत्र में पैतृक संपत्ति के बंटवारे को लेकर सगे भाइयों के बीच चल रहा विवाद हिंसक झड़प में बदल गया। मामूली कहासुनी देखते ही देखते मारपीट तक पहुंच गई, जिसमें एक भाई गंभीर रूप से घायल हो गया। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना के बाद इलाके में चर्चा का माहौल बना हुआ है। जानकारी के अनुसार रहीमाबाद थाना क्षेत्र के ग्राम रंखाखेड़ा मजरा सरसपन निवासी हरिनाम ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि पिता की मृत्यु के बाद परिवार की पैतृक संपत्ति के बंटवारे को लेकर चारों भाइयों के बीच काफी समय से बातचीत चल रही थी। परिवार के लोग आपसी सहमति से विवाद को खत्म करने का प्रयास कर रहे थे, लेकिन इसी बीच

अज्ञात कारणों से बांसकोठी में लगी आग



लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के धन्नीपुर गांव में बृहस्पतिवार को अज्ञात कारणों से कमलेश की बांसकोठी में आग लग गई। इससे बांस के पेड़ जल उठे। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम में आग पर काबू पाया। ग्रामीणों ने बताया कि अचानक गांव की निकट बांसकोठी में आग लग गई। बांस बहुत तेज आग के साथ फटकर जलने लगे। इससे अफरा तफरी का माहौल हो गया। ग्रामीणों ने घटना की सूचना फायर ब्रिगेड को दी। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने ग्रामीणों की मदद से आग पर काबू पा लिया।

मलिहाबाद में दबंगई का आतंक: युवक को बाइक से कुचलने की कोशिश

.....नामजद तहरीर के बाद भी पुलिस खाली हाथ

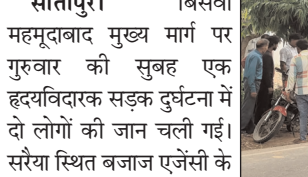
....पुरानी रजिश में जानलेवा हमला, पीड़ित परिवार में दहशत; आरोपी पर फर्जी मुकदमों और धमकियों के आरोप, पुलिस की कार्यशैली पर उठे सवाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के मलिहाबाद तहसील क्षेत्र स्थित रामपुर बस्ती गांव में कानून व्यवस्था को चुनौती देने वाला एक समनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां पुरानी रजिश के चलते एक युवक की जान लेने की कोशिश किए जाने का आरोप गांव के ही दबंग युवक पर लगा है। पीड़ित परिवार का कहना है कि घटना के कई दिन के बाद भी पुलिस इतने कोशिश किए जा रहे हैं कि शपथी के पुत्र व पुत्रवधु का आचरण काफ़ी बदल गया है, और दोनों लोग शपथी का कहना मानते हैं व शपथी की देखभाल, सेवा सुश्रुता करते हैं तथा दोनों लोग शपथी के साथ घर में रहते हैं। अब शपथी को अपने किसी भी प्रकार की कोई दिक्कत नहीं होती है तथा समाचार पत्र में प्रकाशित बेदखल की सूचना को वापस लेना चाहता हूँ।

सड़क हादसा, युवक और उसकी ताई की मौके पर ही मौत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता



सीतापुर। बिसवां महमूदबाद मुख्य मार्ग पर गुरुवार की सुबह एक हृदयविदारक सड़क दुर्घटना में दो लोगों की जान चली गई। सैरया स्थित बजाज एजेंसी के पास हुए इस हादसे में मोटरसाइकिल सवार युवक और उसकी वृद्ध ताई की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, रामपुर कला थाना क्षेत्र के लौना ग्राम निवासी विशाल पांडे (20) अपनी ताई जाना देवी (55) के साथ मोटरसाइकिल से किसी आवश्यक कार्य के लिए महमूदबाद जा रहे थे। जैसे ही उनकी बाइक सैरया के पास बजाज एजेंसी के सामने पहुंची, वे किसी अज्ञात पशु या वाहन का शिकार हो गए। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों सड़क पर दूर जा गिरे और गंभीर चोटों के कारण उनकी मौके पर ही सांथ में गयीं। हादसे का सटीक कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हो सका है, जिसे लेकर तत्कालदर्शियों में अलग-अलग चर्चाएं व्याप्त हैं, कुछ राहगीरों का कहना है कि सड़क पर अचानक आए किसी छुट्टा जानवर से टकराने के कारण

विवाद इतना बढ़ गया कि मामला मारपीट तक पहुंच गया। पीड़ित हरिनाम के अनुसार, बीती 3 मई की शाम करीब 7 बजे उनके छोटे भाई सोनू ने संपत्ति के बंटवारे को लेकर अचानक विवाद शुरू कर दिया। पहले दोनों पक्षों के बीच तीखी बहस हुई और फिर माहौल तनावपूर्ण हो गया। हरिनाम का आरोप है कि जब उन्होंने अपने छोटे भाई को समझाने का प्रयास किया, तब वह गाली-गलौज करने लगा। विरोध करने पर आरोपी सोनू ने अपना आपा छोड़ दिया और लाठी-डंडों के साथ-साथ धारदार हथियार से हमला कर दिया। हमले में हरिनाम को सिर सहित शरीर के कई हिस्सों में गंभीर चोटें आईं। बताया जा रहा है कि मारपीट के दौरान आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। शोर सुनकर परिवार के अन्य सदस्य और मोहल्ले के लोग मौके पर पहुंचे और किसी तरह बीच-बचाव कर मामला शांत करवाया। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते लोग मौके पर नहीं पहुंचते तो घटना और भी गंभीर हो सकती थी। पीड़ित का आरोप है कि मारपीट के बाद आरोपी सोनू ने जान से मारने की धमकी भी दी और

तेज रफतार वाहन की टक्कर में अधेड़ की मौत साथी घायल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। क्षेत्र के बछरावां रोड पर मेरई गांव के पास गुरुवार को दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार अधेड़ की मौके पर मौत हो गई। जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया है। मैदमड गांव के जबर सिंह का पुत्रा निवासी सुरेश सिंह (53) पुत्र शिवनाथ सिंह अपने साथी बबलू (35) पुत्र रामसुंदर निवासी नरेंद्रपुर के साथ बाइक से बछरावां की ओर जा रहे थे। तभी मेरई गांव के पास तेज रफतार अज्ञात वाहन ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में दोनों सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों को एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा। जहां डॉक्टरों ने सुरेश सिंह को मृत घोषित कर दिया। वहीं बबलू की हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया है।

लखनऊ के मोहनलालगंज ब्लाक में जनगणना को लेकर अलर्ट मोड: बीडीओ ने कर्मियों को दिए स्वगणना के निर्देश

..... 'पहले खुद करें स्वगणना, फिर जनता को करें जागरूक' - बीडीओ आशुतोष श्रीवास्तव

.....आर्थिक एवं सामाजिक जनगणना की तैयारियों को लेकर ब्लाक मुख्यालय में हुई अहम बैठक; पंचायत सचिवों और रोजगार सेवकों को डेटा शुद्धता व पारदर्शिता के लिए गए निर्देश।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज/लखनऊ। राजधानी लखनऊ के मोहनलालगंज ब्लाकखंड में गुरुवार को आर्थिक एवं सामाजिक जनगणना की तैयारियों को लेकर विकास खंड अधिकारी (बीडीओ) आशुतोष श्रीवास्तव की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिलाधिकारी लखनऊ विशाख जी के निर्देशों के अनुपालन में आयोजित इस बैठक में

राहुल गांधी के खिलाफ कथित आय से अधिक संपत्ति मामले पर कोर्ट संजीदा, फाइल सील

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने रायबरेली से कांग्रेस के सांसद राहुल गांधी की कथित आय से अधिक संपत्ति की जांच की मांग वाली याचिका पर सुनवाई 12 मई तक टाल दी है। जस्टिस राजेश सिंह चैहान और जस्टिस जफिर अहमद की पीठ ने यह आदेश कर्नाटक के भाजपा कार्यकर्ता एस. विनोद शिर्षिर की ओर से दायर याचिका पर दिया। याचिकाकर्ता ने राहुल गांधी पर अज्ञात स्रोतों से भारी संपत्ति अर्जित करने के गंभीर आरोप लगाए हैं। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के मामले जजों ने खुली अदालत में सुनवाई करने से परहेज करते हुए केस फाइल में संलग्न दस्तावेजों को लेकर विशेष सतर्कता बरती। जजों ने सुनवाई के बाद पूरी केस फाइल को सील करके सीनियर रजिस्ट्रार की कस्टडी में दे दी और उन्हें आदेश दिया कि उक्त फाइल 12 मई को दोपहर में 2.15 बजे तक उनके सामने सुनवाई के लिए पेश करें। केस फाइल की सील उनके बेंच सेक्रेटरी उन्हीं के सामने खोले। याचिका में केंद्र सरकार, सीबीआई, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), सीबीडीटी, यूपी पुलिस और सीरियस फ्राड इन्वेस्टिगेशन ऑफिस, नई दिल्ली को पक्षकार



मौके से फरार हो गया। घटना के बाद घायल हरिनाम ने पुलिस से न्याय की गुहार लगाई। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। रहीमाबाद पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। दोनों पक्षों से पूछताछ की जाएगी और जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसके आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वहीं गांव में इस घटना के बाद लोगों के बीच चर्चा का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि पैतृक संपत्ति को लेकर होने वाले विवाद अक्सर रिश्तों में कड़वाहट पैदा कर देते हैं और कई बार ऐसे मामले हिंसक रूप भी ले लेते हैं।



क्राइम

केंद्रीय कैबिनेट ने सुप्रीम कोर्ट के जजों की संख्या बढ़ाकर 38 करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी

ब्यूरो प्रयागराज- एक अहम घटनाक्रम में केंद्रीय कैबिनेट ने सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या 33 (चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (CJI) को छोड़कर) से बढ़ाकर 38 (CJI को छोड़कर) करने के लिए एक बिल पेश करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी। यह बिल 'सुप्रीम कोर्ट (जजों की संख्या) संशोधन बिल, 2026', सुप्रीम कोर्ट (जजों की संख्या) अधिनियम, 1956 में ये संशोधन करेगा। साल 2019 में सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या 31 से बढ़ाकर 33 (CJI को छोड़कर) की गई थी। यह प्रस्तावित कदम लंबित मामलों को देखते हुए उठाया जा रहा है। इस साल चार से ज्यादा जजों के रिटायर होने की संभावना को देखते हुए इस बिल को पेश करने से काम के बोझ में कुछ राहत मिलेगी।

दबिश के दौरान लगभग 20 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद व 02 अभियोग पंजीकृत

रायबरेली:- जिलाधिकारी सरनीत कौर बोका व पुलिस अधीक्षक रवि कुमार के आदेशानुसार विशेष प्रवर्तन अभियान के दृष्टिगत के अवैध शराब के निर्माण, बिक्री एवं तस्करी के विरुद्ध जारी विशेष प्रवर्तन अभियान के अन्तर्गत जिला आबकारी अधिकारी के कुशल नेतृत्व में आबकारी निरीक्षक क्षेत्र- 5 एवं थाना लालगंज के साथ संयुक्त टीम द्वारा विभिन्न स्थानों पर दबिश की कार्यवाही की गयी। आबकारी टीम द्वारा तहसील हरिनाम ने पुलिस से न्याय की गुहार लगाई। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। रहीमाबाद पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। दोनों पक्षों से पूछताछ की जाएगी और जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसके आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वहीं गांव में इस घटना के बाद लोगों के बीच चर्चा का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि पैतृक संपत्ति को लेकर होने वाले विवाद अक्सर रिश्तों में कड़वाहट पैदा कर देते हैं और कई बार ऐसे मामले हिंसक रूप भी ले लेते हैं।

दबिश के दौरान लगभग 20 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद व 02 अभियोग पंजीकृत

रायबरेली:- जिलाधिकारी सरनीत कौर बोका व पुलिस अधीक्षक रवि कुमार के आदेशानुसार विशेष प्रवर्तन अभियान के दृष्टिगत के अवैध शराब के निर्माण, बिक्री एवं तस्करी के विरुद्ध जारी विशेष प्रवर्तन अभियान के अन्तर्गत जिला आबकारी अधिकारी के कुशल नेतृत्व में आबकारी निरीक्षक क्षेत्र- 5 एवं थाना लालगंज के साथ संयुक्त टीम द्वारा विभिन्न स्थानों पर दबिश की कार्यवाही की गयी। आबकारी टीम द्वारा तहसील हरिनाम ने पुलिस से न्याय की गुहार लगाई। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। रहीमाबाद पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। दोनों पक्षों से पूछताछ की जाएगी और जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसके आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वहीं गांव में इस घटना के बाद लोगों के बीच चर्चा का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि पैतृक संपत्ति को लेकर होने वाले विवाद अक्सर रिश्तों में कड़वाहट पैदा कर देते हैं और कई बार ऐसे मामले हिंसक रूप भी ले लेते हैं।

दबिश के दौरान लगभग 20 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद व 02 अभियोग पंजीकृत

रायबरेली:- जिलाधिकारी सरनीत कौर बोका व पुलिस अधीक्षक रवि कुमार के आदेशानुसार विशेष प्रवर्तन अभियान के दृष्टिगत के अवैध शराब के निर्माण, बिक्री एवं तस्करी के विरुद्ध जारी विशेष प्रवर्तन अभियान के अन्तर्गत जिला आबकारी अधिकारी के कुशल नेतृत्व में आबकारी निरीक्षक क्षेत्र- 5 एवं थाना लालगंज के साथ संयुक्त टीम द्वारा विभिन्न स्थानों पर दबिश की कार्यवाही की गयी। आबकारी टीम द्वारा तहसील हरिनाम ने पुलिस से न्याय की गुहार लगाई। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। रहीमाबाद पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। दोनों पक्षों से पूछताछ की जाएगी और जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसके आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वहीं गांव में इस घटना के बाद लोगों के बीच चर्चा का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि पैतृक संपत्ति को लेकर होने वाले विवाद अक्सर रिश्तों में कड़वाहट पैदा कर देते हैं और कई बार ऐसे मामले हिंसक रूप भी ले लेते हैं।

मोहनलालगंज ब्लाक में जनगणना को लेकर अलर्ट मोड: बीडीओ ने कर्मियों को दिए स्वगणना के निर्देश

..... 'पहले खुद करें स्वगणना, फिर जनता को करें जागरूक' - बीडीओ आशुतोष श्रीवास्तव

.....आर्थिक एवं सामाजिक जनगणना की तैयारियों को लेकर ब्लाक मुख्यालय में हुई अहम बैठक; पंचायत सचिवों और रोजगार सेवकों को डेटा शुद्धता व पारदर्शिता के लिए गए निर्देश।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज/लखनऊ। राजधानी लखनऊ के मोहनलालगंज ब्लाकखंड में गुरुवार को आर्थिक एवं सामाजिक जनगणना की तैयारियों को लेकर विकास खंड अधिकारी (बीडीओ) आशुतोष श्रीवास्तव की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिलाधिकारी लखनऊ विशाख जी के निर्देशों के अनुपालन में आयोजित इस बैठक में

राहुल गांधी के खिलाफ कथित आय से अधिक संपत्ति मामले पर कोर्ट संजीदा, फाइल सील

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने रायबरेली से कांग्रेस के सांसद राहुल गांधी की कथित आय से अधिक संपत्ति की जांच की मांग वाली याचिका पर सुनवाई 12 मई तक टाल दी है। जस्टिस राजेश सिंह चैहान और जस्टिस जफिर अहमद की पीठ ने यह आदेश कर्नाटक के भाजपा कार्यकर्ता एस. विनोद शिर्षिर की ओर से दायर याचिका पर दिया। याचिकाकर्ता ने राहुल गांधी पर अज्ञात स्रोतों से भारी संपत्ति अर्जित करने के गंभीर आरोप लगाए हैं। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के मामले जजों ने खुली अदालत में सुनवाई करने से परहेज करते हुए केस फाइल में संलग्न दस्तावेजों को लेकर विशेष सतर्कता बरती। जजों ने सुनवाई के बाद पूरी केस फाइल को सील करके सीनियर रजिस्ट्रार की कस्टडी में दे दी और उन्हें आदेश दिया कि उक्त फाइल 12 मई को दोपहर में 2.15 बजे तक उनके सामने सुनवाई के लिए पेश करें। केस फाइल की सील उनके बेंच सेक्रेटरी उन्हीं के सामने खोले। याचिका में केंद्र सरकार, सीबीआई, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), सीबीडीटी, यूपी पुलिस और सीरियस फ्राड इन्वेस्टिगेशन ऑफिस, नई दिल्ली को पक्षकार

घायल को चार घंटे करना पड़ा एंबुलेंस का इंतजार

सीडीओ ने सीएचसी पहुंचकर की जांच

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। एंबुलेंस मिलने में हुई देरी का मामला अब प्रशासनिक जांच तक पहुंच गया है। मीडिया में खबर आने के बाद जिलाधिकारी ने मामले का संज्ञान लिया है। इसके बाद मुख्य विकास अधिकारी अंजुलता ने बुधस्पतिवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर इसकी जांच की। दरअसल पीड़ित का पुत्रवा गांव निवासी कच्ची शराब बनाने के अड्डों/संदिग्ध घरों पर दबिश की कार्यवाही की गई। दबिश के दौरान लगभग 20 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद कर 02 अभियोग आबकारी अधिनियम की सुसंगत धाराओं में पंजीकृत किये गए। जिले में अवैध शराब के निर्माण एवं बिक्री पर प्रभावी अंकुश लगाने हेतु इस तरह की कार्यवाही आगे भी जारी रहेगी।

मोहनलालगंज ब्लाक में जनगणना को लेकर अलर्ट मोड: बीडीओ ने कर्मियों को दिए स्वगणना के निर्देश

..... 'पहले खुद करें स्वगणना, फिर जनता को करें जागरूक' - बीडीओ आशुतोष श्रीवास्तव

.....आर्थिक एवं सामाजिक जनगणना की तैयारियों को लेकर ब्लाक मुख्यालय में हुई अहम बैठक; पंचायत सचिवों और रोजगार सेवकों को डेटा शुद्धता व पारदर्शिता के लिए गए निर्देश।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज/लखनऊ। राजधानी लखनऊ के मोहनलालगंज ब्लाकखंड में गुरुवार को आर्थिक एवं सामाजिक जनगणना की तैयारियों को लेकर विकास खंड अधिकारी (बीडीओ) आशुतोष श्रीवास्तव की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिलाधिकारी लखनऊ विशाख जी के निर्देशों के अनुपालन में आयोजित इस बैठक में

राहुल गांधी के खिलाफ कथित आय से अधिक संपत्ति मामले पर कोर्ट संजीदा, फाइल सील

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने रायबरेली से कांग्रेस के सांसद राहुल गांधी की कथित आय से अधिक संपत्ति की जांच की मांग वाली याचिका पर सुनवाई 12 मई तक टाल दी है। जस्टिस राजेश सिंह चैहान और जस्टिस जफिर अहमद की पीठ ने यह आदेश कर्नाटक के भाजपा कार्यकर्ता एस. विनोद शिर्षिर की ओर से दायर याचिका पर दिया। याचिकाकर्ता ने राहुल गांधी पर अज्ञात स्रोतों से भारी संपत्ति अर्जित करने के गंभीर आरोप लगाए हैं। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के मामले जजों ने खुली अदालत में सुनवाई करने से परहेज करते हुए केस फाइल में संलग्न दस्तावेजों को लेकर विशेष सतर्कता बरती। जजों ने सुनवाई के बाद पूरी केस फाइल को सील करके सीनियर रजिस्ट्रार की कस्टडी में दे दी और उन्हें आदेश दिया कि उक्त फाइल 12 मई को दोपहर में 2.15 बजे तक उनके सामने सुनवाई के लिए पेश करें। केस फाइल की सील उनके बेंच सेक्रेटरी उन्हीं के सामने खोले। याचिका में केंद्र सरकार, सीबीआई, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), सीबीडीटी, यूपी पुलिस और सीरियस फ्राड इन्वेस्टिगेशन ऑफिस, नई दिल्ली को पक्षकार

घायल को चार घंटे करना पड़ा एंबुलेंस का इंतजार

सीडीओ ने सीएचसी पहुंचकर की जांच

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। एंबुलेंस मिलने में हुई देरी का मामला अब प्रशासनिक जांच तक पहुंच गया है। मीडिया में खबर आने के बाद जिलाधिकारी ने मामले का संज्ञान लिया है। इसके बाद मुख्य विकास अधिकारी अंजुलता ने बुधस्पतिवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर इसकी जांच की। दरअसल पीड़ित का पुत्रवा गांव निवासी कच्ची शराब बनाने के अड्डों/संदिग्ध घरों पर दबिश की कार्यवाही की गई। दबिश के दौरान लगभग 20 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद कर 02 अभियोग आबकारी अधिनियम की सुसंगत धाराओं में पंजीकृत किये गए। जिले में अवैध शराब के निर्माण एवं बिक्री पर प्रभावी अंकुश लगाने हेतु इस तरह की कार्यवाही आगे भी जारी रहेगी।

मोहनलालगंज ब्लाक में जनगणना को लेकर अलर्ट मोड: बीडीओ ने कर्मियों को दिए स्वगणना के निर्देश

..... 'पहले खुद करें स्वगणना, फिर जनता को करें जागरूक' - बीडीओ आशुतोष श्रीवास्तव

.....आर्थिक एवं सामाजिक जनगणना की तैयारियों को लेकर ब्लाक मुख्यालय में हुई अहम बैठक; पंचायत सचिवों और रोजगार सेवकों को डेटा शुद्धता व पारदर्शिता के लिए गए निर्देश।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज/लखनऊ। राजधानी लखनऊ के मोहनलालगंज ब्लाकखंड में गुरुवार को आर्थिक एवं सामाजिक जनगणना की तैयारियों को लेकर विकास खंड अधिकारी (बीडीओ) आशुतोष श्रीवास्तव की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिलाधिकारी लखनऊ विशाख जी के निर्देशों के अनुपालन में आयोजित इस बैठक में

राहुल गांधी के खिलाफ कथित आय से अधिक संपत्ति मामले पर कोर्ट संजीदा, फाइल सील

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने रायबरेली से कांग्रेस के सांसद राहुल गांधी की कथित आय से अधिक संपत्ति की जांच की मांग वाली याचिका पर सुनवाई 12 मई तक टाल दी है। जस्टिस राजेश सिंह चैहान और जस्टिस जफिर अहमद की पीठ ने यह आदेश कर्नाटक के भाजपा कार्यकर्ता एस. विनोद शिर्षिर की ओर से दायर याचिका पर दिया। याचिकाकर्ता ने राहुल गांधी पर अज्ञात स्रोतों से भारी संपत्ति

